मानवाधिकार सभी कानूनों से ऊपर

''मानवाधिकार सभी कानूनों से ऊपर है'' यह विचार राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष श्री प्रकाश टाटिया ने राजस्थान पुलिस अकादमी में मानवाधिकार विषय पर आयोजित दो दिवसीय (14–15 फरवरी 2017) एडवान्स लेवल प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यक्त किए। श्री टाटिया ने इसके साथ ही पुलिस अधिकारियों को मानवतावादी दृष्टिकोण अपनाते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का आवह्‌न किया। उन्होने कहा कि मानवता की भावना मानवाधिकारों के संरक्षण की नींव है।

पुलिस कानून प्रवर्तन कराने वाली एक प्रमुख एजेंसी है, जिससे मानवाधिकार संरक्षण में उनकी भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम उनकी भूमिका की व्याख्या करने तथा उन्हें इनके प्रति संवेदनशील बनाने में मार्गदर्शक का कार्य करते है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को माानवाधिकारों के संरक्षण के लिए कानून के दायरे में रह कर कार्य करने की बात कही। श्री टाटिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि मानवाधिकारों की कोई स्पष्ट व स्वीकार्य परिभाषा नहीं होने के कारण भ्रम की स्थिति रहती है।

उन्होंने मानवाधिकारों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि बताते हुए माानवाधिकारों के संबंध में अन्तर्राष्ट्रीय संधियों तथा उनके परिपेक्ष्य में भारत द्वारा अपनाये जा रहे मानवाधिकार संरक्षण के विभिन्न पहलूओं की जानकारी भी दी। इसके साथ ही उन्होने आधुनिक समाज में हो रहे

परिवर्तनों के अनुरुप मानवाधिकारों के संरक्षण के संबंध में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया की विस्तृत व्याख्या की।

इस अवसर पर राजस्थान पुलिस अकादमी के निदेशक श्री राजीव दासोत ने श्री प्रकाश टाटिया का स्वागत करते हुए उन्हे राजस्थान पुलिस अकादमी द्वारा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सौजन्य से करवाये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होने इस अवसर पर राजस्थान पुलिस अकादमी द्वारा अपनाये जा रहे नवाचारों तथा सुधारात्मक प्रयासों की जानकारी दी। श्री टाटिया ने अकादमी में महिला कल्याण केन्द्र तथा महिलाओं, बच्चों व सामाजिक सरोकार हेतु उठाये जा रहे कदमों को मानवाधिकार संरक्षण एवं संवर्द्धन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

राजस्थान पुलिस अकादमी में मानवाधिकार विषय पर दो दिवसीय एडवान्स लेवल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसमें पूरे राजस्थान से पुलिस निरीक्षक स्तर के कुल 44 अधिकारी भाग ले रहे है। दिनांक 14 फरवरी 2017 को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन श्री एन के जैन, पूर्व अध्यक्ष राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग द्वारा किया गया।